गंधर्वि कथक नृत्यालय
gandharvinrutyalaya@gmail.com
+91 75885 79928

अ. भा. गांधर्व मंडल मुंबई
कथक नृत्य
मध्यमा पूर्ण वर्ष परीक्षा

पूर्णांक – 250	न्यूनतम् – 88
क्रियात्मक - 150	न्यूनतम् – 53
शास्त्र - 100	न्यूनतम् – 35

शास्त्र

1. कथक नृत्य का मंदिर परंपरा और दरबार परंपरा का संपूर्ण ज्ञान।अ) बनारस घराने की विशेषताएं
2. ब) जयपुर, लखनऊ घराने की संपूर्ण परंपरा का ज्ञान वंश परंपरा सहित।
3. भ्रु संचालन तथा दृष्टि भेद के प्रकार और उनका उपयोग अभिनय दर्पण अनुसार
4. लास्य तथा तांडव की व्याख्या और उनके प्रकार।
5. तीनताल के ठेके को आधी १/२, पौनी, कुआड़ी, आड़ी, डेढ़ी, बिआड़ी, पौने दो ले में लिपिबद्ध करना।
6. क) अभिनय की स्पष्ट परिभाषा।
7. ख) आंगिक अभिनय, वाचिक अभिनय, आहार्य अभिनय, सात्विक अभिनय की व्याख्या तथा प्रयोग।
8. संयुक्त हस्त की निम्नलिखित मुद्राओं की परिभाषा तथा प्रयोग _ चक्र, सम्पुट, पाश, कीलक, मत्स्य, कूर्म, वराह,गरुड़, नागबंध, खटवा, भेरुंड
9. जीवनिया _ पंडित अच्छन महाराज, पंडित शंभू महाराज, पंडित लच्छू महाराज, पंडित नारायण प्रसाद, पंडित जय लाल।
10. तिनताल, रूपक तथा एकताल के सभी बोलो को लिपीबद्ध करना।
11. कथक नृत्य के अध्ययन की शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक उपयोगिता।

क्रियात्मक

शिव वंदना अथवा कृष्ण वंदना

तिनताल में विशेषता सहित एक उठान, एक ठाठ, एक आमद, एक परमेलू, एक नटवरी तोड़ा, एक फरमाईशी चक्करदार (पहली धा पहली, दूसरी धा दूसरी, तीसरी धा तीसरी सम पर) एक गणेश परन, एक तत् कार की लडी (तकीट तकीट धिन) ।

Gandharvi Kathak Nrutyalaya

gandharvinrutyalaya@gmail.com
+91 75885 79928

रूपक
एक ठाठ, एक सादा आमद, चार सादे तोड़े, दो चक्करदार तोड़े, दो तिहाई, एक कवित्त,
तत् कार बराबर, दुगून, चौगुन तिहाई सहित।

एकताल
दो ठाठ, एक प्राण जुड़ी आमद, चार तोड़े, दो चक्करदार तोड़े, दो परन, दो चक्करदार परन, एक कवित्त और तीन तिहाई
तत् कार बराबर, दुगून, तिगुन, चौगुन तिहाई सहित।

सभी बोलो को हाथ से ताली देकर पढ़ना आवश्यक है।

गत निकास में विशेषता रुखसार, छेड़छाड़, आंचल आदि।
गतभाव में कालिया दमन।
होरी पर भाव प्रस्तुति ।

Gandharvi Kathak Nrutyalaya